मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू की उड़ान II

निर्माणकर्ता:-

आयुषी अग्रवाल
(मुरादाबाद)

तृप्ति शर्मा
(मुरादाबाद)

मिशन शिक्षण संवाद

बरसे मेघा

घटा एक दिन उमड़के आई।
बरसे बदरा अंधियारी छाई।।

मिट्ठू का था मन ललचाया।
कूद-कूद बरखा में नहाया।।

01

जब बन्द हुआ ऊपर से पानी।
किट्टू बनकर घूमन की ठानी।।

चश्मा आँख सिर टोपी भाए।
छतरी हाथ फूले न समाए।।

Jyupti

मिशन शिक्षण संवाद

बाल विवाह

बाल विवाह जब होते देखा।
मिट्ठू ने खींची लक्ष्मण रेखा।।

बोला दुष्परिणाम नही जानते।
क्या कानून को नही मानते?

02

अधिकारों का सार बताया।
बैठाकर सबको समझाया।।

समझ में आई सबके बात।
सब बोले जय तोतू राम।।

मिट्ठू की कहानी।
आंसुओं की जुबानी।।

मिशन शिक्षण संवाद

खेल

चलो दोस्तों मिट्ठू बोला।
ऐसा कहकर झटपट दौड़ा।।

कभी वो खेले कैरम, लूडो।
कभी वो खेले ताईक्वांडो।।

एक समय निश्चित करता है।
उस पर मिट्ठू खेल करता है।।

मन में भरकर नई उमंग।
मिट्ठू खेले दोस्तों संग।।

03

मिशन शिक्षण संवाद

मेला

इक दिन गाँव में लगा था मेला।
कपड़े पहन मिट्ठू बने अलबेला।।

बापू के वो संग चल दिया।
खुशी में गाना शुरू कर दिया।।

04

मेले में थी चाट-पकौड़ी।
उन्हें देख नियत यूँ डोली।।

भर-भर मिट्ठू दौने में खाए।
झूमे-नाचे खुशी मनाए।।

मिट्ठू की कहानी।
की जुबानी।।

मिशन शिक्षण संवाद

भाईचारा

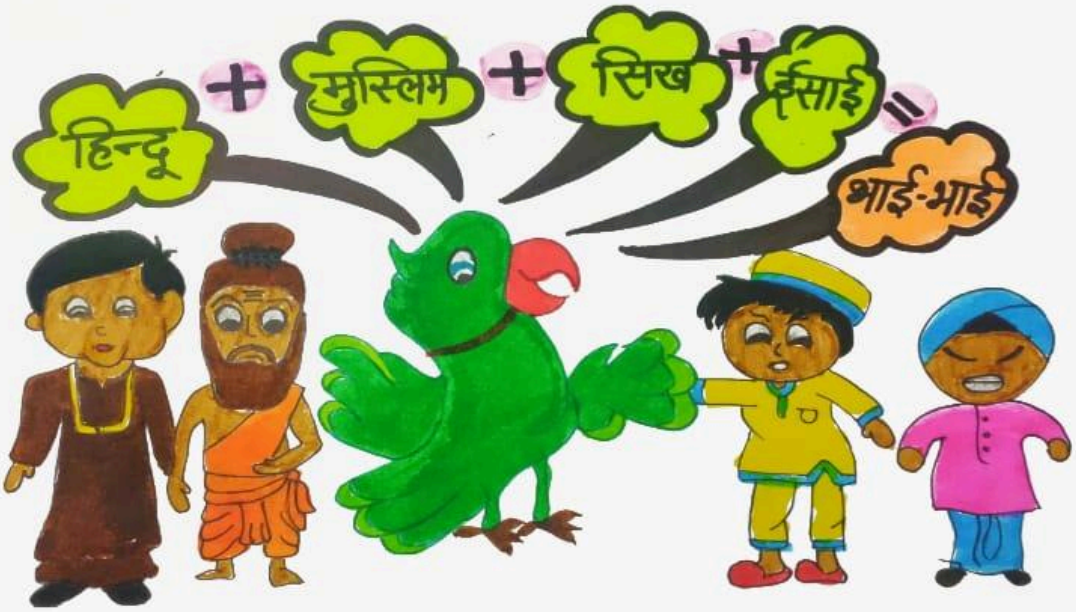

एक दिन मिट्ठू सड़क पर आया।
झगड़ा करते लोगों को पाया।।

बीच में कूदे तोतू राम।
फिर जनता को दिया आराम।।

05

बोले चाहें हिन्दू-मुस्लिम।
चाहें हो वो सिक्ख-ईसाई।।

अपना लो बस एक ही नारा।
हम सब मिलकर भाई-भाई।।

Gyupti

मिशन शिक्षण संवाद

पौष्टिक आहार

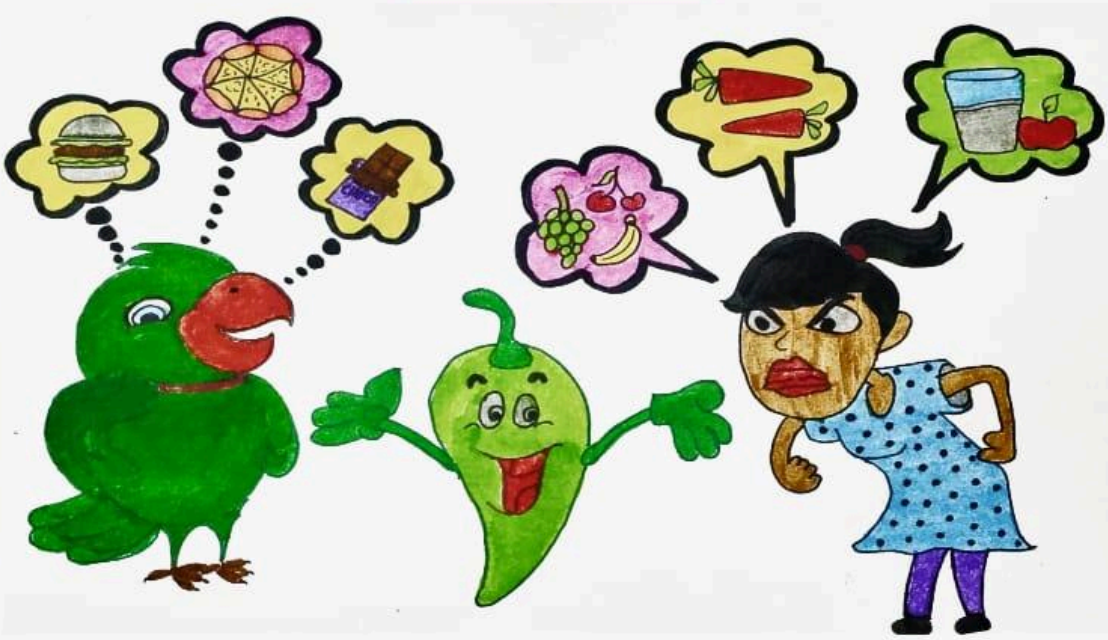

इक दिन मिट्ठू निराहार।
पिज़्ज़ा, बर्गर की करे पुकार।।

माँ ने मिट्ठू की डाँट लगाई।
स्वादिष्ट भोजन की थाल लगाई।।

06

पहले थोड़ी नुकर-नुकर की।
फिर धीरे से मिर्च पकड़ ली।।

मिट्ठू अब सबको समझाता।
पौष्टिक भोजन बलवान बनाता।।

मिशन शिक्षण संवाद

होली

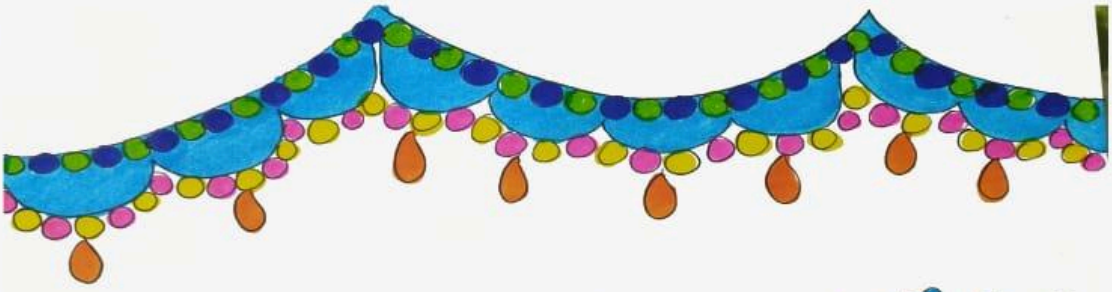

होली का त्योहार जो आया।
मिट्ठू मियां के मन को भाया।।

तरह-तरह के रंग मिलाकर।
मारे पिचकारी धार बनाकर।।

07

स्वादिष्ट से पकवान बनाकर।
खा रहे हैं मिट्ठू चिढ़ाकर।।

गुब्बारों में पानी भर लाए।
उछल-कूद वो खूब मचाएं।।

Jyupti

मिशन शिक्षण संवाद

पढ़ाई

आज मिट्ठू ने बैग उठाया।
मैडम के घर को कदम बढ़ाया।।

मोटी-मोटी देख किताबें।
थोड़ा लगा वो खिसियाने।।

फिर मैडम ने बात सुझाई।
मिट्ठू मियां की समझ में आई।।

अगर किताबें नही पढोगे।
समझदार फिर कैसे बनोगे??

Jyupti

मिशन शिक्षण संवाद

राष्ट्रीय प्रतीक

मिट्ठू ने जब खोली पोथी।
तस्वीरें देखीं छोटी-छोटी।।

जंगल में करता शोर है।
राष्ट्रीय पक्षी मोर है।।

09

सर-सर-सर फहराता है।
तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज कहलाता है।।

राष्ट्रीय फल ताजा है।
आम फलों का राजा है।।

पीला शरीर काली धारी।
बाघ राष्ट्रीय पशु है भारी।।

मिट्ठू की कहानी।
खरगोश की जुबानी।।

मिशन शिक्षण संवाद

विदाई

मिट्ठू सबसे आशीष है लेता।
फिर वो बात पते की कहता।।

बड़ों की सेवा, छोटों का मान।
इसी से बढ़ती मेरी शान।।

10

तुम भी मुझ जैसे हो जाओ।
करो नमस्ते शीश झुकाओ।।

फिर आने का वादा देता।
आज विदा मैं सबसे लेता।।

Jyupti

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू की उड़ान II

निर्माणकर्ता

आयुषी अग्रवाल
(स०अ०)
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

तृप्ति शर्मा
(स०अ०)
कुन्दरकी (मुरादाबाद)